

प्रेषक,

शिक्षा निदेशक (उच्च शिक्षा) उ० प्र०
शिक्षा डिग्री विकास अनुभाग,
प्रयागराज।

सेवा में,

1-कूलसचिव

समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

2-समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी
उत्तर प्रदेश।

3-समस्त प्राचार्य/प्राचार्या,

राजकीय/सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय, स्ववित्तपोषित महाविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक: डिग्री विकास / 1951-2015 / 2020-21 दिनांक 25 / 03 / 2021
विषय:-उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मध्य
MoU के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या-602/सत्तर-3-2021-08(35)/2020 दिनांक
22 फरवरी 2021 का संदर्भ लें, जो उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम
उद्यम विभाग के मध्य MoU के सम्बन्ध में है।

उक्त के संबंध में शासन के पत्र दिनांक 22 फरवरी 2021 में दिये गये निर्देशों के
अनुसार कार्यवाही कराया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय



डॉ० (हिरेन्द्र प्रताप सिंह)
संयुक्त निदेशक (उच्च शिक्षा)
कृते-शिक्षा निदेशक (उ० शि०),

उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

पृ० सं०:-डिग्री विकास/

प्रतिलिपि: विशेष सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग-3 उ० प्र० शासन, लखनऊ को सूचनार्थ एवं
आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

/2020-21 उसी तिथि को

डॉ० (हिरेन्द्र प्रताप सिंह)
संयुक्त निदेशक (उच्च शिक्षा)
कृते-शिक्षा निदेशक (उ० शि०),
उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।

Email

संख्या- 602/सत्तर-3-2021-08(35)/2020

प्रेषक,

मोनिका एस.गर्ग,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. कुलपति,
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उत्तर प्रदेश।
2. समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।
3. निदेशक,
उच्च शिक्षा, उ०प्र०,
प्रयागराज।
4. निदेशक,
उद्योग, उ०प्र०
कानपुर।

उच्च शिक्षा अनुभाग-3

लखनऊ : दिनांक 22 फरवरी, 2021

विषय:-उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मध्य MoU के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि दिनांक 03.02.2021 को उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के मध्य MoU हस्ताक्षरित हुआ है। उक्त हस्ताक्षरित MoU की छायाप्रति संलग्न की जा रही है। अवगत कराना है कि इससे उद्योग एवं विश्वविद्यालय के साथ-साथ कार्य करते हुये प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक विकास में व्यापक योगदान दे सकते हैं। विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा शोध एवं अनुसंधान औद्योगिक क्षेत्र के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। उद्योग स्थानीय एवं वैश्विक दोनों स्तरों पर प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के लिए अपनी R&D समस्याओं को हल करने के लिए शिक्षा जगत की ओर देखते हैं जिसमें यह MoU लाभप्रद साबित हो सकता है।

2- सहयोग के लिए क्षेत्र

उत्तर प्रदेश राज्य में हथकरघा, हस्तशिल्प, खादी, ODOP और MSME क्षेत्र के अन्य उत्पादों के डिजाइन, प्रौद्योगिकी, विपणन और वित्तीय प्रबंधन आदि में सुधार लाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग निम्नलिखित क्षेत्रों में सहयोग करेंगे:-

- i- इकाइयों में छात्रों के लिए इंटर्नशिप
- ii- इकाइयों में छात्रों के लिए शोध प्रबंध
- iii- संयुक्त परियोजनाएं
- iv- संयुक्त अनुसंधान
- v- संयुक्त प्रकाशन
- vi- संयुक्त सेमिनार और सम्मेलनों का आयोजन
- vii- कोई भी सहयोगी प्रयास जो समय-समय पर वांछित होंगे।

3- उक्त MoU के क्रम में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश DoHE एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (DoMSME) विभाग, उ०प्र० द्वारा की जाने वाली कार्यवाही निम्नवत है:-

AE-II



रमेश कुमार
सहायक, प्रयागराज

श्री संतोष



A.C.I

25-02-21

DoHE द्वारा की जाने वाली कार्यवाही:-

- i. DoHE अपने दायरे में आने वाले HEIs को जिलेवार मैप करेगा तथा उसकी सूचना जिलाधिकारी एवं उद्योग विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध करायेगा।
- ii. Deputy Commissioner, District Industries and Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) के परामर्श से MSME इकाइयों में उपरोक्त संस्थानों के छात्रों की इंटर्नशिप होगी।
- iii. उच्च शिक्षा संस्थान MSME उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग, उद्योग इको-सिस्टम में सुधार करने के लिए अपने छात्रों की इंटर्नशिप शुरू करेंगे।
- iv. स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में एक परियोजना को पूरा करना होगा। संस्थान इन छात्रों को MSME उत्पादों पर आधारित परियोजनाओं के बारे में सुझाव प्रदान करेंगे।
- v. विश्वविद्यालयों द्वारा वार्षिक हैकथॉन का आयोजन किया जाएगा। हैकथॉन का प्राथमिक उद्देश्य एमएसएमई, हथकरघा, हस्तशिल्प और खादी इकाइयों से संबंधित विशिष्ट समस्याओं को हल करना होगा।
- vi. DoHE कारीगरों, शिल्पकारों और क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों के क्षमता निर्माण के लिए अल्पकालिक/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के निर्माण की व्यवहार्यता का अध्ययन करेगा।
- vii. DoHE विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाले छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करेगा और MSME के माध्यम से उत्तरप्रदेश के विकास में सहयोग करेगा।
- viii. उच्चशिक्षा विभाग ODOP और अन्य हस्तशिल्प/हथकरघा/खादी उत्पादों के माध्यम से उत्तरप्रदेश की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देगा और इस प्रकार वोकल-लोकल-ग्लोबल अवधारणा पर इन उत्पादों की बाजार क्षमता में सुधार करेगा।
- ix. विश्वविद्यालय उद्योग संगठनों और प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ सम्बन्ध स्थापित कर के उनके CSR Fund के उपयोग से क्षेत्र में नवाचार के लिए सहयोग करेंगे।
- x. DoHE राज्य के HEIs द्वारा प्रस्तुत ODOP संबंधित 'उत्कृष्टताकेंद्र' के प्रस्तावों को उद्योग कार्यालय को प्रेषित करेगा जो मानदंडों के अनुसार उनकी व्यवहार्यता के लिए इन प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगा।
- xi. प्रत्येक मैप किए गए संस्थान/कॉलेज द्वारा नामित समन्वयक स्थानीय मुद्दों को समझने के लिए संबंधित DCI DIEPC के साथ नियमित बैठकें करेंगे।
- xii. विश्वविद्यालय/संस्थान DoMSME द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान देकर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

DoMSME द्वारा की जाने वाली कार्यवाही:-

- i. DoMSME हथकरघा, हस्तकला, खादी, ODOP और अन्य MSME इकाइयों का जिलेवार मैप तैयार करेगा तथा उसकी सूचना जिलाधिकारी एवं क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारियों को उपलब्ध करायेगा।
- ii. DoMSME अनुसंधान, इंटर्नशिप और छात्रों की परियोजनाओं के लिए अपने DCI DIEPC के माध्यम से उत्तर प्रदेश में मौजूद इकाइयों के साथ DoHE के तहत संस्थानों को जोड़ने में मदद करेगा।

- iii. DCI DIEPC/DoMSME विश्वविद्यालयों में हैकथॉन के संचालन के लिए सेक्टर-विशिष्ट मुद्दों को प्रस्तुत करेगा।
- iv. DoMSME/DCI DIEPC नवाचार को बढ़ावा देने हेतु छात्रों की इंटरनशिप के लिए सलाह देगा।
- v. DCI DIEPC/DoMSME विश्वविद्यालयों और इसके कॉलेजों को FDP/प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/बैठकों/आयोजनों को करने के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करेगा।
- vi. DoMSME क्षेत्र की मांग के अनुसार नए शैक्षणिक कार्यक्रमों के विकास में योगदान करेगा।
- vii. DoMSME इकाइयों की समस्याओं से संबंधित स्टार्ट-अप के पोषण और MSME उत्पादों से संबंधित प्रयोगशालाओं और ऊष्मायन केंद्रों की स्थापना के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में HEIs को सलाह देगा।

4. विश्वविद्यालयों से अपेक्षा है कि वे स्थानीय स्तर पर MSME के अधिकारियों से समन्वय करके उपरोक्तानुसार प्रभावी कार्यवाही हेतु कार्ययोजना तैयार करके अपने सम्बद्ध महाविद्यालयों को उपलब्ध कराये तथा कृपया उसकी सूचना शासन को भी प्रेषित करें।

अनुरोध है कि उक्त MoU के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करवाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीया,

(मोनिका एस.गर्ग)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या- 602 (1)/ सत्तर-3-2021, तद्दिनांक

निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- निजी सचिव, मा0 उपमुख्यमंत्री जी, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 सरकार।
- 2- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री जी, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 सरकार।
- 3- अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, उ0प्र0 शासन।
- 4- समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।
- 5- समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- 6- कुलसचिव, समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश।
- 7- समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी, उत्तर प्रदेश।

आज्ञा से,

(अब्दुल समद)
विशेष सचिव।



MEMORANDUM OF UNDERSTANDING (MoU)

This Memorandum of Understanding is made on 03rd Feb 2021, at Lucknow, Uttar Pradesh.

BETWEEN

Department of Higher Education Govt. of Uttar Pradesh (hereinafter referred to as "DoHE") through Smt Monika S.Garg, Additional Chief Secretary, DoHE

AND

MSME & Export Promotion Department, Govt. of Uttar Pradesh (hereinafter referred to as "DoMSME") through Shri Navneet Sehgal, Additional Chief Secretary, DoMSME

DoHE and DoMSME are herein after collectively referred to as "Parties" and individually as "Party" "1st party" and "2nd Party" respectively.

WHEREAS through this MoU, DoHE and DoMSME would like to reach out to handloom weavers, handicraft artisans, khadi, ODOP and other MSME units of Uttar Pradesh (collectively referred to as the 'units' hereinafter), through various means, to address design, technical, managerial and capacity building and marketing requirements for their businesses.

NOW, THEREFORE, THIS MoU WITNESSES as below:

I. ROLES AND RESPONSIBILITIES:

A) Broad Areas for Cooperation

DoHE and DoMSME will cooperate in the following areas; with the objective of improving design, technology, marketing and financial management of products and units of



handloom, handicraft, khadi and MSME sector in the state of Uttar Pradesh (collectively referred to as the 'sector' hereinafter)

- i. Internship for students in the units
- ii. Dissertation projects for students in the units
- iii. Joint projects in the sector
- iv. Joint research in the sector
- v. Joint publications
- vi. Organising of joint seminars and conferences
- vii. Any collaborative efforts that both may deem fit from time to time.

B) DoHE

1. DoHE will map colleges, State and Private universities under its ambit, district-wise.
2. The above institutes will have internship of their students in above units which will be arranged in the local industries by concerned Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) in consultation with the local industry representatives.
3. Institutes will initiate internship of their students to improve marketing linkage, branding, industry eco-system of their products.
4. The students doing graduate/post graduate courses need to complete a project as part of their curriculum. Institutes will endeavour to suggest/provide above products-based projects to these students.
5. A yearly hackathon will be organized by universities which will be open to all affiliated colleges and other institutes in that region. The primary purpose of the hackathon shall be to solve specific issues related to MSMEs, handloom, handicraft and khadi units.
6. DoHE will study the feasibility of creation of short-term /vocational/ bridge courses for capacity building of artisans, craftsman and others associated with the sector.
7. DoHE will motivate students graduating from the university for becoming entrepreneurs and lead Uttar Pradesh's manufacturing growth story through MSME lens.
8. DoHE will innovatively use and connect the culture and heritage of Uttar Pradesh with age-old lineage of ODOP and other handicraft/handlooms/khadi products, thus promoting Vocal-Local-Global concept and thus, improving marketability of these products.

(Handwritten signature)



9. Universities will forge collaborations with Industries associations and reputed companies for usage of their CSR funds to drive innovations in the sector's ecosystem through university's affiliated institutes.
10. DoHE will forward the proposals submitted by State Universities for creation of 'Centre of Excellence' for these products to Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) will evaluate these proposals for their feasibility and support as per norms.
11. A coordinator from each mapped institute/college will have regular meetings with respective Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) to understand the local issues of the sector.
12. Universities will provide technical guidance by giving lectures to the participants of training programs organized by DoMSME.

C) DoMSME

1. DoMSME will map the handloom, handicraft, khadi ODOP and other MSME units, district-wise.
2. DoMSME will help in connecting the institutes under DoHE with the units present in Uttar Pradesh through their Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) for research, internship and projects of students.
3. Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) /DoMSME will submit sector-specific issues to universities for conducting hackathon.
4. DoMSME/ Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) will advise problem statements for internship of students to foster innovation.
5. DoMSME will provide infrastructure (Deputy Commissioner, District Industries & Enterprise Promotion Centre (DCI DIEPC) offices can be utilised for the purpose) to carry out FDPs/ trainings/ orientation workshops/ meetings/ events, to these sector to DoHE and its colleges.
6. DoMSME will facilitate in the development of new academic programmes as per the demand of the sector.

01



7. DoMSME will advise HEIs in nurturing start-ups specifically pertaining to problems of the units in Uttar Pradesh and in framing the guidelines for setting up labs and incubation centres related to MSME products.

II. PROJECT TIMELINE

This MoU will commence from January, 2021 and will continue till December, 2026, unless any party wants to terminate this MOU by giving notice to the other party as per provisions of Article V of this MOU.

III. OPERATIONS AND CO-ORDINATIONS

1. DoMSME and DoHE will have periodic meetings to review progress of the MoU implementation.
2. DoMSME and DoHE will mutually acknowledge the contribution of each other, wherever possible, on their website and media platforms including print, TV and digital media.
3. Any amendment in this MoU will be made in writing by mutual consent of both the parties.

IV. FORCE MAJEURE

1. For the purpose of this MoU, "force majeure" means an event which is beyond the reasonable control of a Party, either DoMSME or DoHE and which makes a party's performance regarding its obligations hereunder impossible or so impracticable as reasonably to be considered impossible in the circumstances and include, but is not limited to war, riots, civil disorder, earthquakes, fire, explosions, storm, flood, and other adverse weather conditions, strikes, lock-outs, or other similar actions, political uncertainties, change in priorities in the National and State missions, which is not within the power of the Party invoking "force majeure" to prevent any other action by the other Party.
2. If any Party finds itself incapable to perform its duty due to force majeure, it will give notice to other Party that force majeure event has arisen.
3. The failure of any Party, either the DoMSME or DoHE, to fulfil any of its obligations hereunder shall not be considered to be the breach of or default under this MoU in so far as such inability arises from an event of force majeure, provided that the Party affected by such event should take all reasonable precautions and due care for reasonably carrying out the terms and conditions of this MoU.
4. In the event of a force majeure, DoMSME and DoHE shall consult with each other with a view to agreeing on appropriate measures to be taken under the circumstances.

aj

2870 / कोश प्रमुख निदेश
23/2/2021



V. TERMINATION

This MoU can be terminated by either side with a written notice of 60 days, giving adequate reason.

VI. DISPUTES AND ARBITRATION

Any dispute between DoHE and DoMSME on any matter that has relevance to the smooth and effective implementation of the MoU shall be settled through mutual discussion.

IN WITNESS WHEREOF the Parties hereto have signed this MoU on the day and year first above written.

For and on behalf of DoMSME

For and on behalf of DoHE

(Navneet Sehgal)
Additional Chief Secretary,
Department of MSME & Export Promotion,
Govt. of Uttar Pradesh

3/2/21

(Monika S Garg)
Additional Chief Secretary,
Department of Higher Education,
Govt. of Uttar Pradesh

Witness 1

Name: (PRADEEP KUMAR)

Designation: Special Secretary
DoMSME

Signature:

Witness 2

Name: ARDUL SAMAD

Designation: Special Secretary
DoHE

Signature:

कोश को



7. DoMSME will advise HEIs in nurturing start-ups specifically pertaining to problems of the units in Uttar Pradesh and in framing the guidelines for setting up labs and incubation centres related to MSME products.

II. PROJECT TIMELINE

This MoU will commence from January, 2021 and will continue till December, 2026, unless any party wants to terminate this MOU by giving notice to the other party as per provisions of Article V of this MOU.

III. OPERATIONS AND CO-ORDINATIONS

1. DoMSME and DoHE will have periodic meetings to review progress of the MoU implementation.
2. DoMSME and DoHE will mutually acknowledge the contribution of each other, wherever possible, on their website and media platforms including print, TV and digital media.
3. Any amendment in this MoU will be made in writing by mutual consent of both the parties.

IV. FORCE MAJEURE

1. For the purpose of this MoU, "force majeure" means an event which is beyond the reasonable control of a Party, either DoMSME or DoHE and which makes a party's performance regarding its obligations hereunder impossible or so impracticable as reasonably to be considered impossible in the circumstances and include, but is not limited to war, riots, civil disorder, earthquakes, fire, explosions, storm, flood, and other adverse weather conditions, strikes, lock-outs, or other similar actions, political uncertainties, change in priorities in the National and State missions, which is not within the power of the Party invoking "force majeure" to prevent any other action by the other Party.
2. If any Party finds itself incapable to perform its duty due to force majeure, it will give notice to other Party that force majeure event has arisen.
3. The failure of any Party, either the DoMSME or DoHE, to fulfill any of its obligations hereunder shall not be considered to be the breach of or default under this MoU in so far as such inability arises from an event of force majeure, provided that the Party affected by such event should take all reasonable precautions and due care for reasonably carrying out the terms and conditions of this MoU.
4. In the event of a force majeure, DoMSME and DoHE shall consult with each other with a view to agreeing on appropriate measures to be taken under the circumstances.